ब्रैंडिंग के लिए लखनऊ में आजमगढ़ फेस्टिवल की शुरुआत, दिल्ली में भी हो चुका है आयोजन

सैफई, मैनपुरी की राह चला आजमगढ़

■ दीप सिंह लखनऊ

कैफी आजमी, राहुल सांकृत्यायन और हरिऔध की धरती आजमगढ़ के लिए वह सबसे खराब दौर था, जब उसे संजरपुर से जाना गया। वर्षों से दंगों का दंश सहन कर रहा आजमगढ़ अब एक बार फिर नए रूप में सामने आ रहा है। कारण भले राजनीतिक हो, लेकिन विकास की राह पर चल पड़ा है। सपा मुखया मुलायम सिंह चुनाव जीतने की बाद भले वहां नहीं गए, लेकिन आजमगढ़ सैफई और मैनपुरी जैसे वीआईपी जिलों में शुमार होने लगा है। इतना ही नहीं, आजमगढ़ फेस्टिवल के जरिए उसके शिल्प, कारीगरी और शास्त्रीय संगीत की ब्रैंडिंग भी शुरू हो गई है।

कई साल से राजनीति में भी आजमगढ़ की चर्चा सिर्फ दंगों के लिए होती रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव यहां से चुनाव लड़े तो इस शहर ने उन्हें हाथों-हाथ लिया। इसके पीछे निश्चित ही लोगों की यही उम्मीद रही होगी कि सैफई और मैनपुरी, कन्नौज की तरह वे अपने इस चुनाव क्षेत्र को भी विकसित करेंगे। जीतने के बाद प्रदेश सरकार ने भी इस शहर के लिए खजाना खोल दिया। यहां चीनी मिल बन रही है। करीब 1300 करोड़ रुपये सरकार ने इसके लिए दिए हैं। इससे यहां के रोजगार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा एक कृषि विश्वविद्यालय भी इसी सत्र से खुलने जा रहा है। आजमगढ़ की सड़कों और अन्य कई कामों के लिए भी खूब पैसा दिया गया है। एक साल के भीतर ही सरकार करीब 2000 करोड़ रुपये स्वीकृत कर चुकी है।

उद्घाटन समारोह में शामिल हुए शिवपाल यादव।

अब इसकी ब्रैंडिंग के लिए लखनऊ में आजमगढ़ फेस्टिवल शुरू हुआ है। उप निदेशक पर्यटन अविनाश त्रिपाठी बताते हैं कि इस कार्यक्रम का आयोजन इंडियन ट्रस्ट फॉर रूरल हैरिटेज ऐंड डिवेलपमेंट ने किया है और पर्यटन विभाग इसमें सहयोग कर रहा है। इसका मकसद आजमगढ़ की खासियत और खूबसूरती को सामने लाना है। पूर्व आईएएस एसके मिश्र और योगेंद्र नारायण इस संस्था के ट्रस्टी हैं। इससे पहले दिल्ली में भी इसका आयोजन हो चुका है।

मुबारकपुर की रेशमी साड़ी की होगी ब्रैंडिंग

■ सांस्कृतिक संध्या के उद्घाटन समारोह में बोले मंत्री शिवपाल यादव

■ एनबीटी, लखनऊः प्रदेश में मुबारकपुर की रेशमी साड़ियों की ब्रैंडिंग की जाएगी। उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री शिवपाल यादव ने आजमगढ़ महोत्सव के पहले दिन आयोजित सांस्कृतिक संध्या के उद्घाअन समारोह में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि मुबारकपुर के कारीगरों को विश्व भर में पहचान दिलाने की कोशिश की जाएगी।

गोमती नगर के पर्यटन भवन ऑडिटोरियम में आयोजित महोत्सव में शिवपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश को केंद्र से अपेक्षा के अनुरूप सहायता नहीं मिल रही। उनका प्रयास है कि बुंदेलखंड का विकास हो। इसके लिए वहां पर्यटन को खासतौर से बढ़ावा दिया जाएगा। पर्यटन मंत्री ओम प्रकाश सिंह ने कहा यूपी देश का दिल है। इसलिए इसे मजबूत होना पड़ेगा। उनकी सरकार पर्यटन के मूलभूत सुविधाओं से लेकर पर्यटन तक के प्रति गंभीर है।

इस मौके पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में अंजनी मिश्र ने मोको पिचकारी न मारो नंद लाल सुनाया। पं.दीनानाथ मिश्र ने हर हर महादेव भजन सुनाया।

NBT

आजमगढ़ फेस्टिवल की शुरुआत सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुई।

महोत्सव में नहीं पहुंचे आजमगढ़ के ही मंत्री

■ प्रसं, लखनऊः आजमगढ़ की ब्रैंडिंग के लिए शुरू किए गए महोत्सव में आजमगढ़ जिले के ही मंत्री ही नहीं पहुंचे। मंत्री के अलावा जिले के आठ सपा विधायक भी इस महोत्सव में शरीक नहीं हुए। मंत्री दुर्गा यादव के बारे में पता चला कि वे सदन खत्म होने के बाद सीधे अपने क्षेत्र निकल गए। वहीं बलराम यादव लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर ही थे, पर उनसे संपर्क नहीं हो सका।

हरिहरपुर के क्लासिकल म्यूजिक और पॉटरी का जलवा

■ एनबीटी, गोमती नगरः आजमगढ़ के पॉटरी, मुबारकपुर की साड़ी और हरिहरपुर के क्लासिकल म्यूजिक के शौकीन हैं तो इन सब के लिए आपको आजमगढ़ जाने की जरूरत नहीं। यह सब कुछ गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन में चल रहे आजमगढ़ फेस्टिवल में देखने को मिलेगा। 20 मार्च तक चलने वाले इस महोत्सव की शुरुआत शुक्रवार को हुई। इसका आयोजन इंडियन ट्रस्ट फॉर रूरल हैरिटेज एंड डिवेलपमेंट (आरएचडी) की ओर से किया जा रहा है।

₹ 800 में बिक रहा ताजमहलः आजमगढ़ के निजामाबाद से आए पॉटरी कारीगर सोहित कुमार प्रजापति ने क्ले की मदद से ताजमहल का हुबहू खूबसूरत नमूना बनाया है। यह 800 रुपये में बिक रहा है। अजय कुमार प्रजापति के स्टॉल में तरह तरह के गुल्लक हैं। इन्होंने अपने गुल्लक को रिजर्व बैंक, पंजाब बैंक , अपना बैंक और एटीएम का नाम दे रखा है।

NBT

पर्यटन भवन में चल रहे आजमगढ़ फेस्टिवल में साड़ी खरीदतीं महिलाएं।